CBT(APRIL 2025-26)

विषय: हिंदी

कक्षा:नवीं

प्रश्नोत्तर

प्र.1 गधे के चेहरे पर एक विषाद स्थायी रूप से छाया रहता है। सुख-दुख, हानि-लाभ किसी भी दशा में उसे बदलते नहीं देखा।ऋषि- मुनियों के जितने गुण है वे सभी उसमें पराकाष्ठा को पहुंच गए हैं; पर आदमी उसे बेवकूफ कहता है।

गधे और ऋषि मुनियों में किस गुण को समान बताया है-

सुख दुख में समान भाव

हानि लाभ में समान भाव

चेहरे पर विषाद का स्थायी भाव

हर दशा में समभावी

उ.1 हर दशा में समभावी

प्र.2 दोनों आमने-सामने या आसपास बैठे हुए एक दूसरे से मूक भाषा में विचार विनिमय करते थे। एक- दूसरे के मन की बात कैसे समझ जाते थे हम कह नहीं सकते ।अवश्य ही उन में कोई ऐसी गुप्त शक्ति थी जिससे जीवो में श्रेष्ठ का दावा करने वाला मनुष्य वंचित है।

मनुष्य किस शक्ति से वंचित है-

विचार विनिमय से

गुप्त शक्ति से

मूक भाषा से

दूसरों को समझने से

उ.2 दूसरों को समझने से

प्र.3 दो बैलों की कथा पाठ में सांड तथा हीरा मोती की लड़ाई का प्रसंग किस उद्देश्य से दिया गया है-

मित्रता की शक्ति बताने के लिए

एकता की शक्ति बताने के लिए

भाईचारे की शक्ति बताने के लिए

स्वतंत्रता की शक्ति बताने के लिए

उ.3 एकता की शक्ति बताने के लिए

प्र.4 'इतना तो हो ही गया कि नौ-दस प्राणियों की जान बच्चे बेशक तो आशीर्वाद देंगे।'- मोती के इस कथन से उसकी कौन सी विशेषता पता चलती है-

सच्ची मित्रता

परोपकार

विनम्रता

विवेक

उ.4 **परोपकार**

प्र.5 हस्ती चढ़ाई ज्ञान कौ, सहज दुलीचा डारि।

स्वान रूप संसार है, भूंकन दे झक मारि।।

इस साखी में किस मुहावरे का प्रयोग हुआ है-

सहज दुलीचा डालना

स्वान रूप संसार

ज्ञान रूपी हाथी

झक मारना

उ.5 झक मारना

प्र.6 मानसरोवर सुभर जल, हंसा केलि कराहिं।

मुक्ताफल मुक्ता चुगां, अब उड़ी अनत न जाहिं।।

आत्मा का

परमात्मा का

पक्षी का

अनंत का

उ.6 आत्मा का

प्र.7 प्रेमी को खोजो मैं फिरूं, प्रेमी मिले न कोय।

प्रेमी कौन प्रेमी मिलै, सब विष अमृत होइ।।

इस साखी में किसका महत्व बताया गया है-

सत्संगति का

प्रेम का

ईश्वर का

भक्ति का

उ.7 सत्संगति का

प्र.8 आत्मगौरव समस्त-पद कौन से समास का उदाहरण है-

द्विगु समास

तत्पुरुष समास

कर्मधारय समास

बहुब्रीहि समास

उ.8 तत्पुरुष समास

प्र.9 कौन सा समस्त-पद द्वंद समास का उदाहरण नहीं है-

इधर-उधर

पशु-पक्षी

सत्य-कथा

अंदर-बाहर

उ.**9 सत्य-कथा**

प्र.10 किस समास में दोनों पद प्रधान न होकर तीसरा अर्थ प्रधान होता है-

द्विगु समास

तत्पुरुष समास

कर्मधारय समास

बहुब्रीहि समास

उ.**10 बहुब्रीहि समास**